गैलेरी

हिन्दी विश्व भारती के तत्वावधान में संचालित शोध पत्रिका 'विश्वम्भरा' का लोकार्पण

(6 सितम्बर 2025)







हिंदी विश्व भारती के विशेष व्याख्यान आयोजन में शोध पत्रिका 'विश्वम्भरा' का विमोचन

नरज @ बीकानेर

हिंदी विश्व भारती के प्रकाश 'यूएसजीसी बीकानेर' के अंतर्गत आयोजित विशेष व्याख्यान और शोध पत्रिका 'विश्वम्भरा' के विमोचन समारोह का भव्य आयोजन नोट ऑडिटोरियम, नानी भंडार, स्टेशन रोड, बीकानेर में संपन्न हुआ। हिंदी विश्व भारती के अध्यक्ष डॉ. निर्जला शंकर शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम प्रारंभ किया। व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो. एस.के. भनोत, पूर्व डीन सम्यक विज्ञान संकाय एवं विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान का विषय '1857 का प्रथम स्वाधीनता संग्राम एवं बीकानेर' रखा। प्रो. भनोत ने इस ऐतिहासिक विषय पर गहराई से प्रकाश डालते हुए कहा कि 1857 के विद्रोह को केवल 'गदर' के रूप में देखना अनुचित होगा। समकालीन दस्तावेजों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि यह विद्रोह अंग्रेजों के विरुद्ध भारत का प्रथम स्वाधीनता संग्राम था। उन्होंने बीकानेर के शासक महाराजा डूंगर सिंह द्वारा अंग्रेजों को उजागर करते हुए इसका उद्देश्य न महत्व स्पष्ट किया। कार्यक्रम के अंत में संचालन पुस्तिका के पन्नों द्वारा अतिथियों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. मनोज विश्वकर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बीकानेर के गणमान्य व्यक्ति, विद्वान इतिहासविद्, साहित्यकार, शोधार्थी और समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रमुख अतिथियों में डॉ. शोध पत्रिका 'विश्वम्भरा' का भी विमोचन किया गया। पत्रिका के संपादक डॉ. राजेंद्र कुमार ने इसकी विशेषताओं को उजागर करते हुए इसका उद्देश्य न महत्व स्पष्ट किया। कार्यक्रम के अंत में संचालन पुस्तिका ने पन्नों द्वारा अतिथियों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. मनोज विश्वकर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बीकानेर के गणमान्य व्यक्ति, विद्वान इतिहासविद्, साहित्यकार, शोधार्थी और समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रमुख अतिथियों में डॉ. पृथ्वीराज राठ, प्रो. सुखा राम, श्री कृष्ण लाल बिरानी, डॉ. अविनाश पारीक, डॉ. रामशंकर पुरोहित, डॉ. प्रभा पारीक, डॉ. भगवीन सिंह चारण, डॉ. मनोज विश्वकर्मा, नोट रंचारिक, डॉ. विनायक व्यास, डॉ. मोहनलाल पालक, चौहान बलवन्त सिंह, डॉ. अरुण जोशी, विश्वास पारीक, मनके पारीक, अमर सिंह खंगारोत, संजय पुरोहित, रवि पुरोहित, आत्मानन्द भाटी, जितेन्द्र सुथार, भास्कर वैष्णव, राकेश शर्मा, अंकितेश सिंह आदि प्रमुख रूप से सम्मिलित रहे।

हिंदी विश्व भारती के विशेष व्याख्यान, 'विश्वम्भरा' का विमोचन

बीकानेर, (निप्र): हिंदी विश्व भारती के प्रकाश 'यूएसजीसी बीकानेर' के अंतर्गत आयोजित विशेष व्याख्यान और शोध पत्रिका 'विश्वम्भरा' के विमोचन समारोह का भव्य आयोजन नोट ऑडिटोरियम, नानी भंडार, स्टेशन रोड, बीकानेर में संपन्न हुआ। हिंदी विश्व भारती के अध्यक्ष डॉ. निर्जला शंकर शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम प्रारंभ किया। इस दौरान व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो. एस.के. भनोत, पूर्व डीन सम्यक विज्ञान संकाय एवं विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान का विषय '1857 का प्रथम स्वाधीनता संग्राम एवं बीकानेर' रखा। प्रो. भनोत ने इस ऐतिहासिक विषय पर गहराई से प्रकाश डालते हुए कहा कि 1857 के विद्रोह को केवल 'गदर' के रूप में देखना अनुचित होगा। समकालीन दस्तावेजों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि यह विद्रोह अंग्रेजों के विरुद्ध भारत का प्रथम स्वाधीनता संग्राम था। उन्होंने बीकानेर के शासक महाराजा डूंगर सिंह द्वारा अंग्रेजों को उजागर करते हुए इसका उद्देश्य न महत्व स्पष्ट किया। कार्यक्रम के अंत में संचालन पुस्तिका ने पन्नों द्वारा अतिथियों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. मनोज विश्वकर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बीकानेर के गणमान्य व्यक्ति, विद्वान इतिहासविद्, साहित्यकार, शोधार्थी और समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रमुख अतिथियों में डॉ. पृथ्वीराज राठ, प्रो. सुखा राम, श्री कृष्ण लाल बिरानी, डॉ. अविनाश पारीक, डॉ. रामशंकर पुरोहित, डॉ. प्रभा पारीक, डॉ. भगवीन सिंह चारण, डॉ. मनोज विश्वकर्मा, नोट रंचारिक, डॉ. विनायक व्यास, डॉ. मोहनलाल पालक, चौहान बलवन्त सिंह, डॉ. अरुण जोशी, विश्वास पारीक, मनके पारीक, अमर सिंह खंगारोत, संजय पुरोहित, रवि पुरोहित, आत्मानन्द भाटी, जितेन्द्र सुथार, भास्कर वैष्णव, राकेश शर्मा, अंकितेश सिंह आदि प्रमुख रूप से सम्मिलित रहे।

ISSN 3048-5266

हिंदी विश्व भारती के नए प्रकल्प ''युग-युगीन बीकानेर'' के अंतर्गत प्रो. एस.के. भनोत, पूर्व डीन, समाज विज्ञान संकाय तथा पूर्व विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर, द्वारा ''1857 का प्रथम स्वाधीनता संग्राम एवं बीकानेर'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान (6 सितम्बर, 2025)





